

सुनर्द वि. (तत्.) बहुत गरजने वाला या बहुत जोर से बोलने वाला।

सुनवाई स्त्री. (तद्.) 1. सुनने की क्रिया या भाव 2. न्यायालय में न्यायाधीश द्वारा दोनों पक्षों की बातें सुनने की क्रिया या भाव 3. किसी तरह की शिकायत या फरियाद आदि का सुना जाना।

सुनवानी वि. (तद्.) स्वर्ण के रंग वाला, सुनहला।

सुनवैया वि. (देश.) 1. सुनने वाला 2. सुनवाने वाला।

सुनस वि. (तद्.) सुंदर नाक वाला।

सुनसर पुं. (देश.) एक प्रकार का आभूषण।

सुनसान पुं. (तद्.) निर्जन स्थान, शून्य स्थान, वह स्थान जहाँ कोई रहता न हो पुं. निर्जन स्थान, उजाड़।

सुनहरा/सुनहला वि. (तद्.) 1. सोने का बना हुआ 2. सोने जैसी चमक वाला।

सुनहा पुं. (तत्.) कुत्ता।

सुना स.क्रि. (तद्.) 'सुनना' क्रिया का भूतकालिक रूप।

सुनाई स्त्री. (तत्.) 1. सुनने की क्रिया या भाव 2. सुनवाई।

सुनाज पुं. (तद्.) उत्तम अन्न, रुचिकर भोज्य अन्न।

सुनात पुं. (तद्.) उत्तम संबंध, अच्छा नाता स.क्रि. 'सुनाना' क्रिया का एक वर्तमानकालिक रूप।

सुनाद पुं. (तत्.) शंख वि. सुंदर नाद/आवाज वाला।

सुनादक पुं. (तत्.) शंख वि. सुंदर शब्द करने वाला।

सुनाना स.क्रि. (तत्.) 1. दूसरों को सुनने में प्रवृत्त करना 2. इतने ऊँचे स्वर में बोलना या पढ़ना जिससे दूसरे के कानों तक वह बात पहुँच जाए 3. अपना रोष प्रकट करने के लिए खरी-खोटी बातें कहना।

सुनाभ पुं. (तत्.) 1. श्रीकृष्ण का सुदर्शन चक्र 2. मैनाक पर्वत वि. सुंदर नाभि वाला।

सुनाभि वि. (तत्.) सुंदर नाभि वाला।

सुनाम पुं. (तत्.) लोक में होने वाला नाम जो यश का सूचक है।

सुनाम वि. (तत्.) जिसका नाम या यश हो, कीर्तिमान, यशस्वी।

सुनाम-द्वादशी स्त्री. (तत्.) एक प्रकार का व्रत जो वर्ष की शुक्ल पक्ष की द्वादशी को किया जाता है।

सुनामिका स्त्री. (तत्.) त्रायमाण लता।

सुनामी स्त्री. (तत्.) महासागरीय लहरें जो महासागर के अंदर की भूगर्भीय चट्टानों के आपस में टकराने से उत्पन्न भूकंपों से जन्म लेती हैं, अपने प्रबल वेग और भीषण ऊँचाई के कारण भयंकर तूफान लाती हैं।

सुनार पुं. (तद्.) 1. वह जिसका व्यवसाय सोने-चाँदी के आभूषण बनाने का हो, स्वर्णकार 2. सुनारों के वंश में उत्पन्न 3. कुतिया का दूध 4. साँप का अंडा 5. गौरैया पक्षी।

सुनारि स्त्री. (तत्.) सुंदर स्त्री।

सुनारिन स्त्री. (तद्.) 1. सुनार की पत्नी 2. सुनार जाति की स्त्री।

सुनारी स्त्री. (तत्.) 1. सुंदर स्त्री 2. सुनार का पेशा या भाव।

सुनाल पुं. (तत्.) लाल कमल, रक्तकमल।

सुनालक पुं. (तत्.) अगस्त्य का वृक्ष या पुष्प।

सुनावना स.क्रि. (तत्.) सुनाना।

सुनावनी स्त्री. (देश.) 1. परदेश या विदेश से किसी सगे-संबंधी की मृत्यु का आया हुआ समाचार जो संबंधियों के पास सूचनार्थ भेजा जाता है 2. दुःखद समाचार आने पर संबंधियों का एकत्र होकर एक स्थान पर शोक प्रकट।

सुनासा स्त्री. (तत्.) कौआ ठोड़ी, काकनासा।

सुनासिक वि. (तत्.) सुंदर नाक वाला।

सुनासीर पुं. (तत्.) इंद्र।